विद्या भवन ,बालिका विद्यापीठ, लखीसराय

रूपम कुमारी ,वर्ग- दशम, विषय- हिंदी

दिनांक -30 अगस्त 2020

based on NCERT pattern

।। अध्ययन -सामग्री ।।

सुप्रभात बच्चों ,

पिछली कई कक्षाओं से आप लगातार व्याकरण ही पढ़ते आ रहे हैं ।

पद -परिचय को हमने कल समाप्त कर लिया । आज हम आप के पूरक पाठ्यपुस्तक कृतिका के पाठ 2- 'जॉर्ज पंचम की नाक' पाठ को लेकर उपस्थित हैं ।

।। जॉर्ज पंचम की नाक ।।

कमलेश्वर

लेखक का जीवन परिचय-

कमलेश्वर का जन्म सन 1932 में मैनपुरी

<u>में हुआ इलाहाबाद विश्वविद्यालय में उन्होंने</u> <u>m.a.</u> ***<u>किया दूरदर्शन के अतिरिक्त महानिदेशक के पद पर कार्य करने वाले कमलेश्वर ने कई पत्र-पत्रिकाओं का संपादन भी किया जिनमें सारिका, दैनिक जागरण और दैनिक भास्कर प्रमुख हैं । साहित्य अकादमी पुरस्कार से पुरस्कृत कमलेश्वर को भारत</u>***

सरकार ने पद्म भूषण से सम्मानित किया । 27 जनवरी 2007 को दिल का दौरा पड़ने से उनका निधन हो गया ।

नई कहानी आंदोलन के अगुवा रहे कमलेश्वर की प्रमुख रचनाएं हैं - राजा निरबंसिया, खोई हुई दिशाएं, सोलह छतों. वाला घर, जिंदा

मुर्दे (कहानी-
संग्रह)वही बात,
आगामी अतीत,
डाकबंगला, काली
आंधी और कितने
पाकिस्तान ।

रचनात्मक विशेषता –
कमलेश्वर की
रचनाओं में तेजी से
बदलते समाज का
बहुत ही मार्मिक और
संवेदनशील चित्रण है
आज की महानगरीय
सभ्यता में मनुष्य के

अकेले हो जाने की वजह उन्होंने बखूबी समझा और व्यक्त किया है ।

पाठ समीक्षा-

कमलेश्वर के द्वारा लिखा लिखी गई यह रचना प्रकार का हास्य- व्यंग्य है ।

इस पाठ के जरिए लेखक ने हम भारतीयों की गुलाम मानसिकता पर करारा प्रहार किया है कि अंग्रेजों के चले जाने के बावजूद भी हम किस प्रकार उनकी अंग्रेजियत उनकी फैशन-परस्ती ,उनकी सोच ,उनकी भाषा की गुलामी

आज तक करते आ रहे हैं ,साथ ही साथ उन्होंने अपने देश के सरकारी तंत्रों की व्यवस्था पर भी भरपूर प्रहार किया है । उन्होंने दर्शाया है कि किस प्रकार हमारे देश में कोई भी सरकारी योजना सिर्फ फाइलों की मोहताज बन कर रह जाती है और हमारी उन्नति का रास्ता बंद कर देती है ।

शब्द -संपदा :

1. ***बेसाख्ता – स्वाभाविक रुप से ।***
2. ***नाज़नीनों -कोमलांगी***
3. ***लाट- खंभा, मूर्ति***
4. ***खैरख्वाह- भलाई चाहने वाले***

5. ***दारोमदार-जिम्मेदारी ,कार्यभार***

6. ***अचकचाना - चौंक उठना, भौचक्का होना ।***

आज के लिए बस इतना ही, शेष कल...

गृह- कार्य :

दी गई सामग्री को ध्यानपूर्वक पढ़ें, समझें वह अपनी कॉपी में लिखें ।